Literacy for a Billion

Movie: Besharam
Year: 2013

Song: Hum Lut Gaye
Lyricist: Nikhat Khan

खिड़की से मुझे ताके
सारे गली के बाँके
खिड़की से मुझे ताके
सारे गली के बाँके
खिड़की से मुझे ताके
सारे गली के बाँके
सबको लल्लू बनाके
दिल फेंका तुझ पर
हम लूट गए एँवई आके तेरे मोहल्ले
हम लूट गए एँवई आके तेरे मोहल्ले
हम लूट गए एँवई आके तेरे मोहल्ले

क्यों लंबी लंबी हाँके
कोई ना तुझे ताके
क्यों लंबी लंबी हाँके
कोई ना तुझे ताके
क्यों लंबी लंबी हाँके
कोई ना तुझे ताके
किसको लल्लू बनाके
कहती रहती है फिर
के लूट गए एवई आके तेरे मोहल्ले
हम लूट गए एवई आके तेरे मोहल्ले
हम लूट गए बेबी आके तेरे मोहल्ले
हम लूट गए ज़ालिम आके तेरे मोहल्ले

हम सिक़ंदर हैं अपनी मर्ज़ी के
चुटकी लागे हमें ये दिल फँसाने में
मेरे ज़लवे में बेटा वो दम है
निकले सारी उमर मुझे पट्टाने में
करा लो जी करा लो
दिल की एफ डी करा लो
अँगुठा भी लगवा लो
दिल फेंका तुझ पर
हम लूट गए एवई आके तेरे मोहल्ले
हम लूट गए एवई आके तेरे मोहल्ले
हम लूट गए हम लूट गए
हम लूट गए लूट गए लूट गए
हम लूट गए हम लूट गए
हम लूट गए लूट गए लूट गए
हम लूट गए जानाँ आके तेरे मोहल्ले
हम लूट गए ब्यूटी आके तेरे मोहल्ले

बड़ी मुँहफ़ट है ये जवानी भी
ड़रती नहीं है ये तो भिड़ जाने से
हो चल कटले तू कितना फेंके हैं
ज़रा भी दम नहीं है तेरे ड्रामे में
बढ़ा लो जी बढ़ा लो
रिलेशन वा बढ़ा लो
नैनों के पेंच लड़ा लो
आ जाओ ना छत पर
हम लूट गए बेबी आके तेरे मोहल्ले
हम लूट गए ज़ालिम आके तेरे मोहल्ले
खिड़की से मुझे ताके
सारे गली के बाँके
क्यों लंबी लंबी हाँके
कोई ना तुझे ताके

किसको लल्लू बनाके
कहती रहती है फिर
हम लूट गए एवई आके तेरे मोहल्ले
हम लूट गए एवई आके तेरे मोहल्ले
हम लूट गए बेबी आके तेरे मोहल्ले
हम लूट गए ज़ालिम आके तेरे मोहल्ले

दीवाने हैं दिलों को हम तो जोड़ेंगे
ना घर का तुम्हें घाट का ना छोड़ेंगे
क्यों बाज ना आती है खींचा तानी से
हाए हम पॉप्यूलर हैं अपनी मनमानी से

हम लूट गए लूट गए
जाना हम लूट गए
हम लूट गए लूट गए
एवई हम लूट गए
हम लूट गए लूट गए
बेबी हम लूट गए
हम लूट गए लूट गए
ज़ालिमा लूट गए

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.